हिन्दी दैनिक

इंडिया वार्ता

R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

सच के साथ-जन के साथ

लोकतंत्र में जनसरोकार का सशक्त माध्यम

आत्मिक वाणी

मेरे पुत्र मेरी शिक्षा को ना भूलना अपने मन मे मेरी बातों को याद रखना क्योकि ऐसा करने से तेरे जीवन के दिन और तेरे वर्ष और बढ़ेगे। तेरा अधिकाधिक कल्याण ही होगा मेरे पुत्र करूणा और सच्चाई कभी तुझ से अलग ना हो तू उनको अपने गले का हार बना कर रखना और उनको अपने हृदय पटल पर लिख लेना तब तू परमेश्वर और मनुष्य दोनों की दृष्टि में कृपा का पात्र होगा।

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने . 8

वर्ष : 14 अंक : 275 | देहरादून, सोमवार 02 जून 2025 | शुल्क : पचास पैंसे | पृष्ठ संख्या : 08

मुख्यमंत्री ने किया हरिद्वार में किया वात्सलय गंगा आश्रय का लोकार्पण

देहरादून, आजखबर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को हरिद्वार पहुँचकर वात्सलय गंगा आश्रय का लोकार्पण किया तथा श्रीकृष्ण कथा में प्रतिभाग करते हुए साधु सन्तों का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर उन्होंने माँ गंगा की आराधना कर समस्त प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की भी प्रार्थना की। मुख्यमंत्री ने कहा कि साध्वी ऋतम्भरा द्वारा जो प्रकल्प चलाए जा रहे हैं, उनके बारे में जितना कहा जाए उतना ही कम है। उनके के नेतृत्व में निराश्रित बेटियों को नव जीवन देने का जो दिव्य कार्य हो रहा है, वह समाज में आशा, करुणा और पुनर्निर्माण का सशक्त प्रतीक है। उनके संकल्प से अनेक बेटियों का जीवन सकारात्मक दिशा में परिवर्तित हुआ है। यह वास्तव में समाजसेवा की प्रेरणादायी मिसाल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन से देवभूमि उत्तराखंड में अनेक प्रकार के विकास कार्य हो रहे हैं जिसमें समान नागरिक संहिता प्रमुख है, देवभूमि उत्तराखण्ड से जैसे मां गंगा निकलती है और यहां से निकलकर पूरे देश को जल और जीवन देने का काम करती हैं इस प्रकार समान नागरिक संहिता की यह गंगोत्री उत्तराखंड से निकली है और आगे आने वाले समय में पूरे देश को इसका लाभ मिलने वाला है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में पूरे देश में धार्मिक पुनरुत्थान का महा पर्व चल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भव्य और दिव्य केदार का निर्माण हुआ है। हरिद्वार-ऋषिकेश गंगा कॉरिडोर और शारदा कोरिडोर का कार्य किया जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि अभी चार धाम यात्रा चल रही है, चार धाम यात्रा का इस वर्ष अभी तक लगभग 18 लाख श्रद्धालुओं ने दर्शन कर लिए हैं। बहुत अच्छी तरीके से यात्रा चल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली -देहरादून एलीवेटेड रोड का निर्माण पूरा होने वाला है। यह काम पूरा होते ही यह दूरी लगभग दो से ढाई घंटे में पूरी हो जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सनातन संस्कृति के

– शेष पृष्ठ 7 पर ...

सूबे के नर्सिंग कॉलेजों को मिले 26 नर्सिंग ट्यूटर

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ रावत ने कहा कालेजों में मजबूत होगी शैक्षणिक व्यवस्था

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। सूबे के चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजकीय नर्सिंग कॉलेजों को 26 नर्सिंग ट्यूटर्स मिल गये हैं। राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड के माध्यम से चयनित इन नर्सिंग ट्यूटर्स को प्रदेश के विभिन्न नर्सिंग कालेजों में प्रथम तैनाती दे दी गई है। इन ट्यूटर्स की तैनाती से नर्सिंग कालेजों में शैक्षणिक गतिविधियों में तेजी आयेगी साथ ही नर्सिंग छात्र-छात्राओं को बेहरत प्रशिक्षण भी मिल सकेगा।

उत्तराखंड सरकार चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में लगातार सुधार करने में जुटी है। राज्य सरकार द्वारा मेडिकल कालेजों के साथ-साथ नर्सिंग कालेजों में सुविधाएं जुटा रही है, साथ ही मेडिकल फैकल्टी की भी नियुक्ति कर रही है। ताकि मेडिकल शिक्षण संस्थानों में छात्र छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व प्रशिक्षण मिल सके। इसी कड़ी में चिकित्सा शिक्षा विभाग ने राज्य चिकित्सा सेवा चयन बोर्ड द्वारा नर्सिंग ट्यूटर के पदों पर चयनित 26 अभ्यर्थियों को प्रदेशभर के 8 राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में प्रथम तैनाती दे दी है। जिनमें राजकीय नर्सिंग कॉलेज अल्मोड़ा, बाजपुर, चमोली, चम्पावत, देहरादून, हल्द्वानी, पिथौरागढ़ और टिहरी शामिल है। चयन बोर्ड द्वारा नर्सिंग ट्यूटर पड़ पर चयनित किरन को नर्सिंग कालेज अल्मोड़ा में प्रथम तैनाती दी है। इसी प्रकार स्वेता, सुरभी नेगी, राहुल राणा, ज्योति भनारी, अनुज कुमार और सुधांशु पटेल को बाजपुर, अंकित तिवारी और अभिषेक नेगी को चमोली, सौरभ कुमार, दिव्या चैहान, धीरेंद्र सिंह पंवार, रोहित सिंह, सुरिचा, मोहम्मद शहजाद, मानसी चैहान और नरेंद्र दत्त रतूड़ी को चम्पावत, एकता उपाध्याय, मानसी दबोला, अंजली डिमरी, संदीप सिंह नेगी, दिग्विजयसिंह कठैत और प्रशांत रावत को देहरादून, हेमलता को हल्द्वानी, रश्मि कन्याल को पिथौरागढ़ और जयदीप सिंह गुसाईं को राजकीय नर्सिंग कालेज टिहरी में पहली तैनाती दी गई है।

विभागीय मंत्री डॉ धन सिंह रावत ने कहा कि इन ट्यूटर्स की नियुक्ति से नर्सिंग कालेजों में शिक्षकों की कमी दूर होगी साथ ही कालेजों में शैक्षणिक गतिविधियों में तेजी आयेगी। इसके अलावा नर्सिंग छात्र-छात्राओं को बेहतर चिकित्सकीय प्रशिक्षण भी मिल सकेगा।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. रावत ने सभी नवनियुक्त ट्यूटरों को बधाई देते हुए आशा जताई कि वे अपनी सेवा और समर्पण से राज्य की नर्सिंग शिक्षा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार राज्य में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता सुधारने के लिए हर स्तर पर आवश्यक कदम उठा रही है। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत का कहना है कि राज्य सरकार प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा की गुणवत्ता को लगातार बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी संकल्प के तहत राज्य के विभिन्न राजकीय नर्सिंग कॉलेजों में 26 नवनियुक्त नर्सिंग ट्यूटरों को प्रथम तैनाती दे दी है। इन ट्यूटरों की नियुक्ति से न केवल कॉलेजों में फैकल्टी की कमी दूर होगी, बल्कि शैक्षणिक गतिविधियां भी तेज होंगी।

मानसिक रूप से दिव्यांग भाइयों के यौन शोषण का आरोपी शिक्षक गिरफ्तार

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। कोतवाली पटेलनगर क्षेत्र देहरादून के अंतर्गत

बंजारावाला में स्थित विशेष बच्चों (मानसिक दिव्यांग) के एक बोर्डिंग स्कूल में दो सगे भाइयों के साथ यौन शोषण के आरोप में एक शिक्षक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। दिव्यांग बच्चों की मां की शिकायत के आधार आरोपी शिक्षक के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था। मुरादाबाद निवासी महिला ने शिकायत दर्ज कराई है कि उनके दो बेटे जिसमें एक की उम्र 13 साल और दूसरे की उम्र 9 साल है, दोनों मानसिक दिव्यांग हैं। महिला ने अप्रैल में गूगल के माध्यम से देहरादून की पटेल नगर क्षेत्र में विशेष बच्चों के लिए नया बोर्डिंग स्कूल खोलने की जानकारी मिली थी। इस पर महिला मई के पहले सप्ताह देहरादून पहुंची। स्कूल देखने के बाद प्रबंधन से बात की थी। स्कूल प्रबंधन की ओर से दावा किया गया था कि बच्चों के रहन-सहन और पठन-पाठन की प्रतिदिन की फोटो और वीडियो भेजी जाएगी। ऐसे में महिला ने अपने दोनों बच्चों का दाखिला स्कूल में कर दिया। एक बच्चे की फीस प्रतिमाह 20 हजार रुपए बताई। बच्चों का दाखिला कराने के बाद स्कूल प्रबंधन की ओर से बच्चों की दो-चार ही वीडियो और फोटो भेजी गई। इसके बाद उनसे संपर्क करना बंद कर दिया। 16 मई को महिला दोबारा देहरादून आई। जब वह स्कूल पहुंची तो बच्चों से उसे मिलने नहीं दिया गया। जिसके बद वह वापस चली गई। महिला दूसरे दिन दोबारा देहरादून पहुंची। जिसके बाद वह बच्चों से मिलने की जिद पर अड़ गई। उसके बाद स्कूल प्रबंधन ने उन्हें बच्चों से मिलने की मंजूरी दी। जब महिला ने अपने बच्चों से अकेले में बात की तो दोनों रोने लगे। बच्चों ने बताया कि एक शिक्षक लोहे की रोड से उनकी पिटाई करता है। पेट में लात मारता है। बच्चों ने बताया कि शिक्षक ने कई बार दोनों को सिगरेट से दागा और यौन शोषण किया। बच्चों की बात सुनकर महिला के होश उड़ गये। उसने विरोध जताया लेकिन स्कूल प्रबंधन से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया। जिस पर महिला ने पुलिस को शिकायत दी। कोतवाली पटेल नगर प्रभारी चंद्रभान सिंह अधिकारी ने बताया कि महिला की तहरीर के आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ खिलाफ पॉक्सो अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। गिरफ्तार लिया गया है। अब आगे की कार्यवाही अमल में लाई जा रही है।

सम्पादकीय

सनातन धर्म

हिन्दू धर्म को सनातन धर्म भी कहा जाता है। यह सिर्फ कर्मकांड तक सीमित नहीं है बल्कि सुखमय, शांतिमय और गौरवमय जीवन जीने की पद्धति है। इसलिए हिन्दू धर्म से जुड़े रहन–सहन के तरीके और खान–पान तक विशेष महत्व रखते हैं। हनुमानजी को पांच मंगलवार और पांच शनिवार को चमेली का तेल और सिंदूर अर्पित करके गुड़ और चने की प्रसाद बांटें। सभी संकटों कासमाधान हो जाएगा। सिंदूर कमीला जतन नामक पौधे की फली में से निकलता है। बीस से पच्चीस फीट ऊंचे इस वृक्ष में फली गुच्छ के रूप में लगती है। फली के अंदर के भाग का आकार मटर की फली जैसा होता है जिसमें सरसों के आकार से थोड़े मोटे दाने होते हैं जो लाल रंग के पराग से ढके होते हैं जिससे विशुद्ध सिंदूर निकलता है। सिंदूर के विशेष टोटके भी हैं वास्तु शास्त्र के अनुसार दरवाजे पर तेल में मिश्रित सिंदूर लगाने से घर में नकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश नहीं होता है। यह घर में मौजूद वास्तुदोष को भी दूर करने में कारगर माना जाता है। इसके अलावा ऐसी भी मान्यता है कि दरवाजे पर सिंदूर लगाने से देवी लक्ष्मी की कृपा प्राप्त होती है। यदि रक्त संबंधी किसी रोग से पीड़ित हैं, तो सिंदूर को अपने ऊपर से वारकर बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। यह उपाय कम से कम पांच बार करेंगे तो शीघ्र ही रोग शांत हो जाएगा। गुरु पुष्य योग या शुक्ल पक्ष के पुष्य योग में श्री गणेशजी के मंदिर में सिन्दूर का दान करने से आत्मविश्वास में वृद्धि होती है, किसी भी तरह की परीक्षा में मेहनत से अधिक सफलता मिलेगी। किसी भी शुक्ल पक्ष के गुरुवार के दिन एक पीले वस्त्र पर अपनी अनामिका अंगुली का प्रयोग कर केसर मिश्रित सिंदूर से 63 नंबर लिख लें। फिर उसे ले जाकर माता लक्ष्मी के मंदिर में माता के चरणों में अर्पित कर दें। ऐसा 3 गुरुवार तक करें। जिन लोगों को आए दिन वाहनादि से दुर्घटना का सामना करना पड़ता है उन्हें चाहिए कि वे मंगलवार के दिन श्रीहनुमानजी के मंदिर में सिंदूर दान करें। इस उपाय से शीघ्र ही दुर्घटना का भय आदि समाप्त हो जाएगा। पति पत्नी में प्रेम के लिए रात को सोते समय पत्नी अपनी पति के तकिये के नीचे सिंदूर की एक पुड़िया और पति अपनी पत्नी के तकिये के नीचे कर्पूर की दो टिकिया रख दें। प्रातः होते ही सिंदूर की पुड़िया घर से बाहर फेंक दें और कपूर को निकाल कर कमरे में जला दें। धन लाभ हेतु काली हल्दी को सिंदूर लगाकर और धूप दिखाकर लाल वस्त्र में लपेटकर एक दो मुद्रा सहित बक्से में रख लें। इसके प्रभाव से धन की वृद्धि होती रहेगी। इसी तरह एक नारियल पर कामिया सिंदूर, मौली तथा बासमती चावल अर्पित करके उसका पूजन करें और फिर उसे हनुमान मन्दिर में जाकर चढ़ा आएं, धन लाभ होगा। कर्ज मुक्ति हेतु यदि आप कर्ज से परेशान हैं, तो सियार सिंगी लेकर उसे एक डिब्बी में रख लें और उसे प्रत्येक पुष्य नक्षत्र में सिंदूर चढ़ाते रहें। ऐसा करने से शीघ्र ही शुभ फल मिलेगा।

विश्व में कार्यपालिका और न्यायपालिका में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन? पद बढ़ा या पद पर बैठने वाले की क्षमता,योग्यता व नैतिक साहस बढ़ा?

किशन सनमुखदास भावनानी

गोंदिया- वैश्विक स्तरपर अक्सर हम लोकतंत्र के चार स्तंभों, विधायिका,कार्यपालिका न्यायपालिका व मीडिया के बारे में व उनके अधिकारों कर्तव्य जवाबदेही व कार्यक्षेत्रों के बारे में अक्सर सुनते पढ़ते रहते हैं स्वाभाविक रूप से चारों स्तंभों के अलग-अलग कार्यक्षेत्र अधिकार व कर्तव्य हैं, परंतु इनकी आपस में तुलना नहीं की जातीज़ा सकती,किसीको भी कम-अधिक नहीं आंका जा सकता, परंतु प्रैक्टिकली जब हम देखते हैं तो एक स्वाभाविक रूप से मन में प्रश्न खड़ा होता है कि, विशेष रूप से तीन स्तंभों विधायिका कार्यपालिका, न्यायपालिका में सबसे शक्तिशाली कौन है?यह विचार मेरे मन में भी आया कि वास्तव में तीनों स्तंभों में शक्तिशाली कौन है, किस स्तंभ का सर्वोच्च पद तीनों स्तंभों में शक्तिशाली है? तो अति गहन अध्ययनकर मैंने अपने विचार रखे कि कोई भी "पद" शक्तिशाली नहीं होता परंतु उस पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहससे ही उस पद की शक्ति जाहिर होती है,ऐसा विचार किसी और ने भी रखा था जिससे मैं पूर्ण रूपसे सहमत हूं,हालांकि मेरे 45 वर्षों के लेखन कार्यकाल के अनुभव में तीनों स्तंभों के सर्वोच्च पद पर अनेकों व्यक्ति बैठे, परंतु अभी तक उनके निर्णयों डिसीजन्स का हम विश्लेषण कर अंदाज लगा सकते हैं कि पद महत्वपूर्ण है,या उनपर बैठने वाले व्यक्ति की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहस, जिसकी चर्चा हम नीचे पैराग्राफ में करेंगे। आज इस विषय पर हम इसलिए चर्चा कर रहे हैं क्योंकि जिस तरह भारतीय पीएम के पिछले कार्यकाल के डिसीजन्स मेकिंग विशेष रूप से 370,तीन तलाक, सर्जिकल स्ट्राइक, ऑपरेशन सिंदूर जीएसटी सहित अनेकों निर्णय व अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति जिन्होंने पदभार ग्रहण करते ही अमेरिकी फर्स्ट, टैरिफ केस,नागरिकता केस, पनामा नहर,यूक्रेन रूस युद्ध समाप्ति पहल, हमास इजरायल युद्ध समाप्ति पहल सीरिया पर लगे प्रतिबन्ध हटाना व अभी टैरिफ पर फेडरल कोर्ट द्वारा लगाई गई रोग को, अपीलीय कोर्ट द्वारा खारिज कर टैरिफ को बहाल करने जैसे अनेकों मुद्दे हैं, जो इन दोनों व्यक्तित्वों की योग्यता क्षमता नैतिक साहस को दर्शाता है। भारत के प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बीआर गवई ने शनिवार (31 मई, 2025) को इलाहाबाद में नवनिर्मित अधिवक्ता चैंबर भवन और मल्टी लेवल पार्किंग का उद्घाटन कार्यक्रम में कहा भारतीय संविधान लागू होने की 75 साल की यात्रा में विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका ने सामाजिक और आर्थिक समानता लाने में बड़ा योगदान दिया है।चूँकि हालाँकि, व्यावहारिक रूप से विश्व में शासन के तीनों अंगों यथा विधायिका, कार्यपालिका व न्यायपालिका के अधिकारों व शक्तियों में संतुलन स्थापित है,परंतु आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, विश्व में कार्यपालिका और न्यायपालिका में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन"पद" बढ़ा या पद पर बैठने वाले की "क्षमता निर्णय क्षमता योग्यता व नैतिक साहस बढ़ा?"

साथियों बात अगर हम कार्यपालिका व न्यायपालिका की करें तो,भारत में कार्यपालिका अधिक शक्तिशाली है । कार्यपालिका नियम और कानून बनाती है और न्यायपालिका उन कानूनों के पालन कराने में सहयोग करती है। न्यायपालिका अपने स्तरपर कानून नहीं बना सकती। कार्यपालिका न्यायपालिका के आदेशों की पालना करना आवश्यक नहीं समझती, क्योंकि वह संबंधित कानून को बदलने का अधिकार रखती है।शाहबानो के मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश को सरकार ने नहीं माना। कांग्रेस सरकार ने संविधान संशोधन लाकर कानून ही बदल दिया। ठीक उसी तरह दिल्ली केस में भी सुप्रीम कोर्ट के आदेश को एक नया विधेयक लाकर पलट दिया गया। 2 साल पहले सुप्रीम कोर्ट ने एससी एसटी वर्ग के कर्मचारियों को कार्यस्थल पर पीड़ित करने के मामले में एक आदेश पारित किया था। उसमें कहा गया था कि बिना जांच किए अन्य वर्ग से संबंधित व्यक्ति पर केस दर्ज नहीं किया जाना चाहिए। इसके लिए सरकार को कानून बनाने के लिए आदेश दिया। लोकसभा में उस आदेश की पालना में कानून बनाया गया, लेकिन भारी विरोध के कारण सरकार को उस कानून को वापिस लेना पड़ा। पिछले दिनों सुप्रीम कोर्ट ने मुसलमानों के हित के लिए तीन तलाक को रोकने के लिए कानून बनाने का निर्देश दिया। राज्यसभा में इस बिल को पास कराने के लिए विपक्षी पार्टियों का काफी विरोध सहना पड़ा।इस प्रकार भारतीयसंविधान में कार्यपालिकाअर्थात् लोकसभा और राज्यसभा के अधिकार ज्यादा शक्तिशाली हैं।

साथियों बात अगर हम कार्यपालिका व न्यायपालिका में तुलनात्मक शक्तिशाली के एंगल से देखें तो,भारत में कार्यपालिका और न्यायपालिका में कौन अधिक शक्तिशाली है और क्यों ?भारत में कार्यपालिका और न्यायपालिका में कार्यपालिका अधिक शक्तिशाली है । कार्यपालिका नियम और कानून बनाती है और न्यायपालिका उन कानूनों के पालन कराने में सहयोग करती है। न्यायपालिका अपने स्तर पर कानून नहीं बना सकती। कार्यपालिका न्यायपालिका के आदेशों की पालना करना आवश्यक नहीं समझती, क्योंकि वह संबंधित कानून को बदलने का अधिकार रखती है।भारत के प्रधानमंत्री और भारत के मुख्य न्यायाधीश में से कौन ज्यादा शक्तिशाली है?अगर संविधान में देखें तो प्रधानमंत्री व्यक्ति कई साल और कई बार रह सकता है बिना अधिकतम आयु सीमा के, पर सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश का कार्यकाल सिर्फ एक बार कुछ महीने या वर्ष के लिए होता है 65 वर्ष की आयु सीमा तक होता है।प्रधानमंत्री को कभी भी हटना पड़ सकता है जबकि मुख्य न्यायाधीश को हटाना लगभग असम्भव है । मुख्य न्यायाधीश के निर्णय को पीएम को मानना होता है पर ताकतवर प्रधानमंत्री उसे संसद के द्वारा बदल भी सकता है।वर्तमान प्रधानमंत्री तो मोदी जी भी हैं , इंदिरा गांधी , नरसिंह राव भी थे और इन्होंने पद के साथ जुड़ी शक्तियों का उपयोग किया लेकिन 10 साल प्रधानमंत्री रह कर भी कांग्रेस के एकव्यक्ति ने उन शक्तियों का प्रयोग नहीं किया था। टी एन शेषन ने 6 साल में मुख्य चुनाव आयुक्त रह कर पूरी चुनाव प्रक्रिया बदल दी। उसके पहले और बाद में आने वाले आयुक्त वैसा नहीं कर पाए। इंदिरा गांधी के समय के मुख्य न्यायाधीश उनके अनुचित कार्यों (आपातकाल) को उचित ठहराते रहते थे।वस्तुत: पद शक्तिशाली नहीं होता है,पद पर बैठने वाले की क्षमता , योग्यता और नैतिक साहस से किसी पद की शक्ति तय होती है,व्यावहारिक रूप से,भारत में किसके पास अधिक शक्ति है,न्यायपालिका, कार्यकारी या फिर विधायिका?व्यवहारिक रूप से भी भारत में शासन के तीनों अंगों यथा, विधायिका, कार्यपालिका एवं न्यायपालिका के अधिकारों एवं शक्तियों में संतुलन स्थापित है।विधायिका और कार्यपालिका का अस्तित्व एक दूसरे पर निर्भर है कार्यपालिका तभी तक अस्तित्व में है जब तक उसे विधायिका का विश्वास प्राप्त है और कार्यपालिका के प्रमुख प्रधानमंत्री की अनुशंसा पर राष्ट्रपति विधायिका को भंग कर सकते हैं।जहाँ अनुच्छेद 121 और 211 विधायिका को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में किसी भी न्यायाधीश के आचरण पर चर्चा करने से मना करते हैं, वहीं दूसरी तरफ, अनुच्छेद 122 और 212 अदालतों को विधायिका की आंतरिक कार्यवाही पर निर्णय लेने से रोकते हैं।इसके अतिरिक्त भारतीय संविधान के अनुच्छेद 105 (2) और 194 (2) विधायकों को उनकी भाषण की स्वतंत्रता और वोट देने की आजादी के संबंध में अदालतों के हस्तक्षेप से रक्षा करते हैं। अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व में कार्यपालिका और न्यायपालिका में सबसे अधिक शक्तिशाली कौन? पद बढ़ा या पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता व नैतिक साहस बढ़ा?व्यावहारिक रूप से विश्व में शासन के तीनों अंगों विधायिका, कार्यपालिका एंव न्यायपालिका के अधिकारों व शक्तियों में संतुलन स्थापित है।विश्व में कोई भी पद शक्तिशाली नहीं होता,पद पर बैठने वाले की क्षमता, योग्यता और नैतिक साहस से किसी पद की शक्ति तय होती है, सटीक विचार।

जिम्मेदार कौन ?

प्रिय पाठकों आप भी एक पत्रकार हो तथा **दैनिक इंडिया वार्ता** की आवाज बन सकते हैं। बस आपको इसके लिए जरूरत है कि हर समय अपनी आंख व कान खुली रखें। चौंकन्ने रहें कि आपके चारों ओर क्या कुछ घटित हो रहा है। नाबालिग बच्चे ड्रग्स का सेवन कर रहे हैं? स्कूल बंक कर रहे हैं? विकास कार्यों में गड़बडी हो रही है? निर्माण कार्य महीनों से अधूरे पड़े हैं, पाइप लाइन टूटी हैं, घरों में दूषित पेयजल आपूर्ति या महिनों से पानी नहीं आ रहा है। मनरेगा में धांधली हो रही है? आपकी इस प्रकार की समस्याओं को **दैनिक इंडिया वार्ता** जिम्मेदार कॉलम में प्रमुखता के साथ उठाएगा? बस आप उठाइए कलम और तुरंत लिखकर हमें भेजें या फिर संपर्क करें? आपकी आवाज को सत्ता के शीर्ष में बैठे लोगों एवं सम्बन्धित अधिकारी तक पहुंचाया जाएगा तथा इन समस्याओं को जल्द से जल्द हल कराने का प्रयास भी किया जाएगा।

संपर्क करें
संपादक
दैनिक इंडिया वार्ता
प्रधान कार्यालय : मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग
हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड)
मोबाईल न.- 7500581414,9359555222
Email: indiawarta@gmail.com

पिटकुल के स्थापना दिवस पर पिटकुल के प्रबन्ध निदेशक पिटकुल श्री पी0सी0 ध्यानी जी के द्वारा कार्मिकों को शुभकामानाएं प्रेषित की गयी एवं इस शुभ अवसर पर वृद्धाश्रम जाकर फल वितरण किया गया

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। आज दिनांक 01.06.2025 को पिटकुल के स्थापना दिवस पर पिटकुल के प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी जी द्वारा पिटकुल के सभी कार्मिकों को पिटकुल की स्थापना के 21 वर्ष पूर्ण होने पर शुभकामानाऐं प्रेषित की गयी। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी द्वारा अवगत कराया गया कि एक ओर जहाँ देश के कर्मठ, ऊर्जावान एवं दूरदृष्टा प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश उन्नति के पथ पर अग्रसर है वहीं दूसरी ओर प्रदेश के युवा एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी जी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड प्रदेश एवं पिटकुल भी तरक्की कर रहा है तथा नित नये कीर्तीमान स्थापित करते हुये उन्नति के पथ पर अग्रसर है।

उनके द्वारा अवगत कराया गया कि पिटकुल का गठन आज की तिथि 01.06.2004 को उपाकालि से विघटित होकर हुआ था। विघटन के समय वर्ष 2004-05 में पिटकुल में कुल 17 उपसंस्थान ऊर्जीकृत थे, जबकि वर्ष 2024-25 में ऊर्जीकृत उपसंस्थानों की संख्या बढकर 51 हो गयी है तथा वर्ष 2030 तक 72 उपसंस्थानों को ऊर्जीकृत करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार वर्ष 2004-05 में पिटकुल की कुल लाईन लैंथ 1589 सर्किट किलोमीटर थी, जो वर्ष 2024-25 में 3536 सर्किट किलोमीटर हो गयी है तथा वर्ष 2030 तक इसे 4489 सर्किट किलोमीटर करने का लक्ष्य रखा गया है। इसके साथ ही वर्ष 2004-05 में ट्रांसफार्मर कैपेसिटी 1782 एमवीए थी, जो वर्ष 2024-25 में बढकर 9363 एमवीए हो गयी है तथा वर्ष 2030 में इसे 17653 एमवीए करने का लक्ष्य रखा गया है। इसी प्रकार वर्ष 2004-05 में सिस्टम उपलब्धता 98.5 प्रतिशत थी, जो कि वर्ष 2024-25 में बढकर 99.72 प्रतिशत हो गयी है तथा लाईन लॉस जो कि वर्ष 2004-05 में 2.33 प्रतिशत थी वह वर्ष 2024-25 में घटकर 1.02 रह गयी है।

पिटकुल द्वारा विद्युत पारेषण के क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट एवं विशिष्ट कार्यों के लिये देश की अन्य 4 राज्यों गुजरात, हरियाणा, छत्तीसगढ एवं उत्तर पूर्व पारेषण कम्पनी लि0 की पारेषण कम्पनी के साथ प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है। प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी जी द्वारा अवगत कराया गया कि प्रदेश के युवा एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री के नेतृत्व, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन एवं अध्यक्ष पिटकुल तथा प्रमुख सचिव (ऊर्जा) के दिशा-निर्देशों एवं मार्गदर्शन तथा पिटकुल में कार्यरत समस्त अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदाकर्मियों की कड़ी मेहनत से कार्य करने पिटकुल द्वारा नई ऊँचाईयों का छू रहा है। इसके लिये उनके द्वारा सभी अधिकारियों, कर्मचारियों एवं संविदाकर्मियों को शुभकामनाएं प्रेषित की गयी एवं इसी प्रकार से सरकार की जीरो टोलेरेंस की निति के तहत ईमानदारी, लगन एवं मेहनत से कार्य करने का आह्वाहन किया गया।

इसके साथ ही उनके द्वारा अवगत कराया गया कि युवा एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री के नेतृत्व, मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन एवं अध्यक्ष पिटकुल तथा प्रमुख सचिव (ऊर्जा) के दिशा-निर्देशों एवं मार्गदर्शन तथा कार्मिकों की कड़ी मेहनत एवं लगन से पिटकुल द्वारा नई लाईनों एवं उपकेन्द्रों के निर्माण एवं क्षमतावृद्धि के साथ ही कई वर्षों से लम्बित परियोजनाओं को इस वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण किया गया, जिससे प्रदेश में ऊर्जा तंत्र को मजबूती मिली। साथ ही उनके द्वारा अवगत कराया गया कि पिटकुल को हाल ही में ए0डी0बी0 पोषित 05 परियोजनाओं एवं लाइनों की स्वीकृति प्राप्त हुयी है, जिन पर कार्य प्रगति पर है।

उनके द्वारा अवगत कराया गया कि ओर प्रदेश के युवा एवं ऊर्जावान मुख्यमंत्री के नेतृत्व एवं मुख्य सचिव एवं अध्यक्ष पिटकुल तथा प्रमुख सचिव (ऊर्जा) के दिशा-निर्देशों एवं मार्गदर्शन पिटकुल द्वारा विद्युत पारेषण के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया गया एवं ट्रांसमिशन उपलब्धता 99.70 प्रतिशत हासिल की गयी तथा ट्रांसमिशन हानि 01 प्रतिशत से भी कम है। जिसके चलते पिटकुल की रेटिंग् + से ++ हो गयी है, इससे पिटकुल को ऋण में 0.25 प्रतिशत की छूट मिलेगी, जिसका फायदा निश्चित रूप से प्रदेश की सम्मानित जनता को मिलेगा। उनके द्वारा अवगत कराया गया कि गत वर्ष में कार्मिकों की लगन एवं परिश्रम से पिटकुल को वर्ष 2023-24 में 141.67 करोड़ का लाभ अर्जित हुआ, जिस कारण पिटकुल द्वारा उत्तराखण्ड शासन को रू0 11 करोड़ का लाभांष दिया गया। इसके साथ ही पिटकुल के नियमित कार्मिकों को रू0 26 हजार से लेकर रू0 53 हजार तक एवं संविदा कर्मियों को भी रू0 10 हजार की प्रोत्साहन धनराशि प्रदान की गयी।

इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी द्वारा अवगत कराया गया कि ''एक के लिये सब और सब के लिये एक'' नारे को यथार्थ करते हुये पिटकुल प्रबन्धन हर समय प्रत्येक कार्मिक के साथ खड़ा है। कार्मिकों की समस्याओं के निदान हेतु पिटकुल में ''विधि वित्त एचआर आपके द्वार'' तथा ''समस्या, सुझाव एवं समाधान'' जैसी योजनाएं चलाई गयी हैं। ''विधि वित्त एचआर आपके द्वार'' के अन्तर्गत एचआर, वित्त एवं विधि विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की एक कमेटी गठित की गयी है, जो कि मण्डल कार्यालयों में भ्रमण कर कार्मिकों की समस्याओं को सुनती है तथा उसका निदान करती है। इसी प्रकार समस्या सुझाव एवं समाधान के अन्तर्गत पिटकुल मुख्यालय के समस्या सुझाव एवं समाधन पेटिका लगाई गयी है, जिसमें कोई भी कार्मिक अपनी अथवा अन्य विभागीय समस्या एवं उसके निस्तारण का सुझाव पेटिका में डाल सकता है। इसके साथ ही कार्मिकों स्वास्थ्य के दृष्टिगत कार्मिकों हेतु नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों, योगा एवं प्रणायाम कार्यक्रमों एवं खेल-कूद प्रतियोगिताओं का समय-समय पर आयोजन किया जाता है। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक द्वारा वृद्धा आश्रम में जाकर फल वितरण किया गया तथा पिटकुल की तरक्की के लिये आशीर्वाद लिया गया। इस अवसर पर प्रबन्ध निदेशक श्री पी0सी0 ध्यानी, मुख्य अभियन्ता श्री हितेन्द्र सिंह ह्यांकी महाप्रबन्धक (मा0सं0) श्री अशोक कुमार जुयाल, महाप्रबन्धक (वित्त) श्री मनोज कुमार, अधीक्षण अभियन्ता श्री सूर्य प्रकाश आर्य, श्री ललित कुमार, श्री अमित कुमार, अधिशासी अभियन्ता, श्री राजीव सिंह, श्री मनोज कुमार, वरिष्ठ लेखाधिकारी श्री तरूण सिंघल, सहायक अभियन्ता श्री अंकित, श्री हिमांशू डोभाल, अवर अभियन्ता श्री राजेश शर्मा एवं कार्यालय अधीक्षक-प्रथम श्री विपिन कुमार पाल इत्यादि कार्मिक उपस्थित रहे।

भगवान शंकर आश्रम ने निर्जन और बेसहारा 21 परिवारों को किया फ्री राशन वितरित

इंडिया वार्ता ब्यूरो

मसूरी(देहरादून) ।उत्तराखंड।देवभूमि उत्तराखण्ड में अवस्थित आर्यम इंटरनेशनल फ़ाउंडेशन के तत्त्वावधान में संचालित भगवान शंकर आश्रम द्वारा घोषित माँ अन्नपूर्णा भंडारा कार्ड योजना के अन्तर्गत आश्लेषा नक्षत्र की षष्ठी को क्षेत्र के अतिनिर्धन और वंचित 21 परिवारों को जून माह का नि:शुल्क मासिक घरेलू राशन वितरित किया गया।

आधुनिक युग में अन्नदान का महत्व और भी अधिक बढ़ गया है। तकनीकी प्रगति के कारण अन्न दिन-रात उत्पादित हो तो रहा है किंतु समाज का एक बड़ा वर्ग कुपोषण जैसी समस्याओं का शिकार है। भौतिक चीज़ों की अतिशयता है किंतु देने का भाव और क्रिया विलुप्त होती जा रही है। इन भावरहित परिस्थितियों में आर्यम जी महाराज का या कार्य अद्वितीय है। अन्नदान न केवल ज़रूरतमंदों की भूख मिटाता है, बल्कि उन्हें गरिमा और आत्मसम्मान का अनुभव भी कराता है। समाज में करुणा, सहानुभूति, संचार और सहयोग की घटती भावना को प्रबल कर, सामाजिक एकता और भाईचारे को मज़बूत बनाता है। संकट के समय, जैसे महामारी या प्राकृतिक आपदाओं में, अन्न दान समाज के लिए संबल बनकर उभरता है और निर्धनों को आशा व सुरक्षा प्रदान करता है।

कोरोना काल में श्री गुरुदेव के सानिध्य में भगवान शंकर आश्रम ने प्रति सप्ताह सवा सौ परिवारों को राशन वितरित किया था। अन्न दान भारतीय संस्कृति में सर्वोच्च दान माना गया है, क्योंकि यह नि:स्वार्थ सेवा और मानवता का प्रतीक है। गुरुदेव श्री आर्यम का कथन है कि जब आप छोड़ते हैं तभी पाते हैं। दान पुण्य का कर्म कर आप अपने व्यक्तित्व में विनम्रता, त्याग और सेवा की भावना विकसित करते हैं, जो आपके आत्मिक और नैतिक विकास के लिए आवश्यक है। जब लोग अन्न दान जैसे पुण्य कार्यों में भाग लेते हैं, तो वे दूसरों को भी प्रेरित करते हैं और सामाजिक ज़िम्मेदारी की भावना को बढ़ावा देते हैं।

भंडारा कार्ड धारक व्यक्तियों को दी जाने वाली सामग्री में सभी वस्तुओं की गुणवत्ता का भी ध्यान रखा जाता है। इन वस्तुओं में 15 किलो गेहूँ का आटा, 10 किलो चावल, 5 किलो चीनी, दो किलो काला चना, दो लीटर सरसों का तेल, चायपत्ती, धनिया पावडर, लाल मिर्च, हल्दी प्रत्येक 250 ग्राम, एक किलो नमक आदि प्रदान किया जाता है। अति निर्बल, बीमार और आने में असमर्थ परिवारों को राशन उनके घरों पर भी पहुँचाया जाता है। बच्चों द्वारा त्याग दिए गए वृद्ध व्यक्तियों ,निराश्रित विधवाओं, बेसहारों के अपंग, बीमार और अत्यंत निर्धन व्यक्तियों के लिए यह भंडारा कार्ड योजना आश्रम की तरफ़ से संचालित है जिसे शीघ्र ही अन्य अनेक स्थानों तक विस्तारित किया जाएगा।

आज के इस वितरण कार्यक्रम में हरीश त्यागी, सोमलता दलाल, अजय त्यागी, प्रीतेश आर्यम, संतोष, सतीश, अरविंद शर्मा, अंजलि सोनकर, रुचि , रीना चौहान , कविता मलिक , रेणु सचदेवा ,इंदिराबेन मिश्रा आदि का सहयोग रहा।

दोस्तो संग नहाने गए युवक की नदी में डूबने से मौत

हल्द्वानी, ।दोस्तों के साथ ज्योलीकोट स्थित नदी में नहाने गए एक युवक पानी में डूबकर मौत हो गयी। सूचना पाकर एसडीआरएफ ने रात सर्च ऑपरेशन के बाद शव बरामद किया है। मृतक युवक हल्द्वानी का रहने वाला है। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस के मुताबिक बीती देर रात्रि को पुलिस स्टेशन ज्योलीकोट के माध्यम से एसडीआरएफ टीम को सूचना मिली कि ज्योलीकोट में एक युवक नदी में डूब गया है। सूचना मिलते ही नैनीताल एसडीआरएफ टीम उप निरीक्षक मनोज रावत के नेतृत्व में रेस्क्यू उपकरणों के साथ टीम तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुई। घटना हल्द्वानी नैनीताल स्थल रोड ज्योलीकोट से लगभग दो से तीन किलोमीटर नीचे स्थित एक तालाब में हुई थी, जहां युवक डूब गया था। एसडीआरएफ टीम ने विषम परिस्थितियों के बावजूद मौके पर पहुंचकर सर्च ऑपरेशन प्रारंभ किया। टीम द्वारा कड़ी मशक्कत के बाद सर्चिंग के दौरान तालाब से युवक जीवन रावत पुत्र तेज सिंह रावत, उम्र 21 वर्ष निवासी बच्चीनगर हल्द्वानी का शव बरामद किया। बताया जा रहा है कि युवक दोस्तों के साथ मौज मस्ती करने गया था, जहां नहाने के दौरान हादसा हुआ। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

ममता बनर्जी ने बंगाल को बनाया घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार का केंद्र, हिंदुओं के साथ हुआ दुराचार : अमित शाह

कोलकाता ,एंजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में विजय संकल्प कार्यकर्ता सम्मेलन को संबोधित करते हुए ममता सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने तृणमूल कांग्रेस पर राज्य में भ्रष्टाचार, हिंसा और घुसपैठ को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

अमित शाह ने कहा कि वर्षों तक बंगाल ने हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व किया है। कई वर्षों तक यहां कम्युनिस्टों का भी शासन रहा। उसके बाद ममता दीदी ने आकर इस भूमि को घुसपैठ, भ्रष्टाचार, अपराध और हिंदुओं पर अत्याचार का केंद्र बना दिया।

उन्होंने कहा कि वन्दे मातरम् के रचयिता महान बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय की इस भूमि ने वर्षों तक देश का मार्गदर्शन किया। ज्ञान, धर्म, स्वतंत्रता संग्राम समेत हर क्षेत्र में देश का नेतृत्व करने वाले बंगाल में कई साल तक कम्युनिस्टों का शासन रहा। उसके बाद मां, माटी, मानुष का नारा देकर सत्ता में आने वाली ममता बनर्जी ने महान बंग भूमि को आज घुसपैठ, भ्रष्टाचार, स्त्रियों पर अत्याचार, अपराध, बम धमाकों और हिंदुओं के साथ दुराचार का केंद्र बनाकर रख दिया है।

उन्होंने कहा कि बंगाल की इसी धरती पर चुनाव के दौरान और तृणमूल कांग्रेस के चुनाव जीतने के बाद भाजपा के अनेक कार्यकर्ताओं की हत्या की गई। पूरे देश में चुनाव के दौरान हिंसा खत्म हो गई होगी, लेकिन बंगाल में हिंसा जारी है।

केंद्रीय गृह मंत्री ने तृणमूल सुप्रीमो को चुनौती देते हुए कहा, दीदी, हिंसा करने वालों को आप कब तक बचाती रहेंगी? आपका समय पूरा हो गया है और 2026 में पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनने जा रही है। पिछले 10 वर्षों में पश्चिम बंगाल सरकार को जारी किए गए 8,27,000 करोड़ रुपए यूपीए की तुलना में चार गुना अधिक हैं। हमारा फोकस प्रदेश का विकास है। हमें भरोसा है कि प्रदेश की जनता भारतीय जनता पार्टी को सेवा करने का अवसर जरूर देगी।

उन्होंने मुख्यमंत्री को ललकारते हुए कहा, हिम्मत हो तो बिना हिंसा के चुनाव कराकर देखिए, आपकी जमानत जब्त हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर ऑपरेशन सिंदूर का विरोध कर देश की करोड़ों माताओं-बहनों के साथ खिलवाड़ करने का आरोप लगाया और राज्य की महिलाओं से चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को सिंदूर की कीमत समझा देने की अपील की।

अमित शाह ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता का जिक्र करते हुए कहा कि सेना ने पाकिस्तान में 100 किलोमीटर अंदर जाकर आतंकवादियों के मुख्यालयों पर हमला किया। इसमें कई आतंकवादी मारे गए, लेकिन लगता है कि ममता बनर्जी को इससे परेशानी हो रही है। उन्होंने ऑपरेशन का विरोध एक खेदजनक बयान के माध्यम से न केवल मिशन का विरोध किया, बल्कि देश की महिलाओं की भावनाओं का भी अनादर किया।

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि बंगाल का चुनाव सिर्फ बंगाल के भविष्य को ही नहीं तय करता है, बल्कि यह देश की सुरक्षा से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी ने अपना वोट बैंक बढ़ाने के लिए बंगाल की सीमाओं को बांग्लादेशियों के लिए खुला छोड़ दिया है। उनके आशीर्वाद से बंगाल में घुसपैठ हो रही है। उन्होंने कहा कि यह घुसपैठ सिर्फ भाजपा की सरकार रोक सकती है क्योंकि मुख्यमंत्री का ध्यान देश की सीमा की सुरक्षा से अधिक अपने भतीजे (अभिषेक बनर्जी) का भविष्य सुरक्षित करने पर है।

अमित शाह ने कहा कि विकास को बढ़ावा देने के अलावा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पश्चिम बंगाल की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दशकों से पश्चिम बंगाल के लोग बंगाली को शास्त्रीय भाषा के रूप में मान्यता दिलाने की वकालत कर रहे थे। हालांकि ममता बनर्जी ने केंद्र सरकार का समर्थन किया, लेकिन वह बंगाली को लंबे समय से प्रतीक्षित मान्यता दिलाने में असमर्थ रहीं। हालांकि पीएम मोदी के नेतृत्व में बंगाली भाषा को अंततः शास्त्रीय भाषा का प्रतिष्ठित दर्जा दिया गया।

उन्होंने ममता सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि कलकत्ता के बाजार में युवाओं की नौकरियां बिकती हैं। तृणमूल कांग्रेस नेताओं के घरों से इतना पैसा पकड़ा जाता है कि गिनते-गिनते मशीनें थक जाती हैं। अब इस सिलसिले को बंद करना ही होगा।

मुर्शिदाबाद में हाल ही में हुई हिंसा के बारे में केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि गृह मंत्रालय बार-बार कहता रहा कि सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को बुला लीजिए, लेकिन पश्चिम बंगाल सरकार ने नहीं बुलाया क्योंकि अगर बीएसएफ आता तो हिंदुओं की रक्षा होती। फिर भाजपा कार्यकर्ता हाई कोर्ट गए, तब जाकर बीएसएफ आया और हिंदुओं को बचाया।

उन्होंने कहा कि हिंदू शरणार्थियों को नोटिस भेजे जा रहे हैं, जिसमें कहा गया है कि उनका नाम मतदाता सूची से हटाया जा सकता है। उन्होंने उन शरणार्थियों को भरोसा दिलाया कि बस सीएए आवेदन भरें और केंद्र सरकार सुनिश्चित करेगी कि उन्हें भारतीय नागरिकता दी जाए। उन्होंने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए) को प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में शरणार्थियों को वोट देने का अधिकार देने और भारतीय नागरिक के रूप में उनके भविष्य को सुरक्षित करने के लिए लागू किया गया था।

उत्तर प्रदेश में सही से नहीं चल रहा कानून का राज : मायावती

लखनऊ ,एंजेंसी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की मुखिया मायावती ने रविवार को यूपी सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यूपी में कानून का राज सही से नहीं चल रहा है।

बसपा प्रमुख मायावती ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर लिखा, देश के विभिन्न राज्यों में से खासकर यूपी में सामंती व आपराधिक तत्वों का वर्चस्व होने से जातिवादी एवं सांप्रदायिक द्वेष, हिंसा, अन्याय-अत्याचार तथा लोगों को उजाड़ने आदि की कार्रवाइयों से यह साबित है कि यहां कानून का राज सही से नहीं चल रहा है।

उन्होंने एक अन्य पोस्ट के जरिए यूपी पुलिस के नए डीजीपी के सामने आने वाली कई चुनौतियों को गिनाया। उन्होंने कहा, ऐसे माहौल में यूपी पुलिस के नए प्रमुख के सामने राज्य में अपराध नियंत्रण व कानून का राज स्थापित करके सर्वसमाज के लोगों को उचित राहत पहुंचाने की बड़ी चुनौती है। राज्य सरकार व सत्ताधारी दल के लोगों को भी यूपी में कानून का राज स्थापित करने में हर प्रकार का सहयोग व सक्रियता जरूरी है।

मायावती ने आगे कहा, वैसे भी भारत के बहुआयामी विकास व यहां की विशाल आबादी की समग्र उन्नति में यूपी को देश की प्रगति की रीढ़ होना चाहिए, लेकिन इसके ग्रोथ इंजन बनकर उभरने के बजाय ज्यादातर अपराध नियंत्रण व कानून व्यवस्था की बदहाली को लेकर निगेटिव चर्चाओं में रहना क्या यह जन व देशहित में उचित है? इससे पहले, मायावती ने मदरसों के खिलाफ योगी सरकार के एक्शन को लेकर निशाना साधा था। उन्होंने कहा था कि मदरसों आदि की प्राइवेट व्यवस्था के विरुद्ध सरकार का रवैया सहयोग का होने के बजाय उन्हें अवैध बताकर बंद करने का होना बुनियादी शिक्षा की जरूरत को और कमजोर करने वाला गैरजरूरी और अनुचित है।

उन्होंने योगी सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि निजी मदरसों के प्रति सरकार अपना रवैया बदले तो बेहतर होगा। इसके साथ ही मायावती ने चिंता जताते हुए कहा था कि प्रदेश के स्कूलों में 22 लाख बच्चों के एडमिशन में इस साल गिरावट आई है। उन्होंने प्रदेश सरकार को नसीहत देते हुए कहा कि शिक्षा के महत्व और जरूरत पर उचित ध्यान देना जरूरी है।

देश में कोरोना केसों में फिर बढ़ोतरी, एक्टिव केस 3,395 के पार; सरकार ने की सतर्कता बरतने की अपील

नई दिल्ली ,एंजेंसी। देश में एक बार फिर से कोरोना संक्रमण ने रफ्तार पकड़ ली है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों के अनुसार, देशभर में कोविड-19 के एक्टिव केसों की संख्या 3,395 तक पहुंच गई है। पिछले 24 घंटों में 685 नए मामले सामने आए हैं और 4 लोगों की मौत भी हुई है।

केरल में 1336 सक्रिय मामले दर्ज किए गए हैं, जो देश में सबसे अधिक हैं। वहीं, कोविड मामलों की बढ़ती संख्या को देखते हुए कर्नाटक सरकार ने एक अहम सर्कुलर जारी किया है। इसमें लोगों को नियमित रूप से हाथ धोने, खांसते या छींकते समय शिष्टाचार अपनाने, भीड़भाड़ से बचने और आवश्यकता अनुसार मास्क पहनने की सलाह दी गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार, दिल्ली, केरल, कर्नाटक और उत्तर प्रदेश में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। महज कुछ दिनों में ही कोरोना के एक्टिव केसों की संख्या में बड़ा उछाल देखा गया है। 22 मई को सिर्फ 257 केस थे। 26 मई को यह बढ़कर 1,010 हो गए। अब आंकड़ा 3,395 तक पहुंच गया है। महानिदेशक डॉ. राजीव बेहल ने बताया कि पश्चिम और दक्षिण भारत से लिए गए सैंपलों के जीनोम अनुक्रमण में ओमिक्रॉन के चार सब-वैरिएंट्स - रुस्न.7, ङ्गस्नत्र, छ्वह्.1 और हक्च.1.8.1 की पहचान हुई है। इनमें से पहले तीन सब-वैरिएंट्स सबसे ज़्यादा मामलों में पाए गए हैं। उन्होंने कहा कि स्थिति पर करीबी नज़र रखी जा रही है और इस समय घबराने की जरूरत नहीं है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। स्कूल खुलने के मद्देनज़र कर्नाटक सरकार ने 26 मई को मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की अध्यक्षता में कोविड समीक्षा बैठक के बाद परिपत्र जारी किया। सभी अभिभावकों से अपील की गई है कि अगर बच्चों में बुखार, खांसी या कोविड जैसे लक्षण हों, तो उन्हें स्कूल न भेजें। ऐसे बच्चों को पूरी तरह ठीक होने पर ही डॉक्टर की सलाह से स्कूल भेजा जाए। यदि स्कूल में ऐसे लक्षणों वाले बच्चे आते हैं, तो उन्हें घर भेजने की व्यवस्था की जाए। विशेषज्ञों ने जनता से अपील की है कि संक्रमण भले गंभीर न हो, लेकिन मास्क पहनें, भीड़ से बचें और लक्षण होने पर टेस्ट करवाएं। सतर्कता और जागरूकता ही इस संक्रमण के फैलाव को रोकने का एकमात्र उपाय है।

उत्तराखंड में तीन दिन तक भारी बारिश का अलर्ट, 50 किमी/घंटा की रफ्तार से चलेंगी तूफानी हवाएं

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड में मौसम ने एक बार फिर करवट ले ली है। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में अगले तीन दिनों (4-6 जून, 2025) तक लगातार बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी जारी की है। खासकर पहाड़ी जिलों में भारी बारिश के साथ 50 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से तूफानी हवाएं चलने की संभावना जताई गई है। इस दौरान कुछ क्षेत्रों में ओलावृष्टि भी हो सकती है, जिसके चलते स्थानीय प्रशासन और निवासियों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग के निदेशक डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि उत्तराखंड में इस साल प्री-मानसून बारिश ने शानदार प्रदर्शन किया है। 4 जून तक मैदानी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में हल्की से मध्यम बारिश के आसार हैं, जबकि कुछ स्थानों पर तेज बारिश का दौर भी देखने को मिल सकता है। 5 और 6 जून को खासकर पहाड़ी इलाकों में बारिश की तीव्रता बढ़ने की संभावना है। डॉ. सिंह ने कहा, इस दौरान तेज हवाएं और ओलावृष्टि कुछ इलाकों में नुकसान पहुंचा सकती हैं, इसलिए लोगों को सावधानी बरतनी चाहिए।

मई में बारिश ने दी गर्मी से राहत - इस साल मई के महीने में उत्तराखंड में बारिश ने लोगों को प्रचंड गर्मी से काफी हद तक राहत दिलाई। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार, मई में प्रदेश में औसतन 116.6 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई, जो सामान्य (64.7 मिमी) से 80त्र अधिक है। बागेश्वर में सबसे ज्यादा बारिश हुई, जबकि ऊधम सिंह नगर में सबसे कम बारिश रिकॉर्ड की गई। देहरादून में भी 123 मिमी बारिश दर्ज की गई, जिसने शहरवासियों को गर्मी से निजात दिलाई। पिछले साल मई में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया था, लेकिन इस बार औसत तापमान 34-35 डिग्री के बीच रहा। कुछ दिन तो तापमान सामान्य से 5-8 डिग्री नीचे भी दर्ज किया गया।

रात में सर्दी का अहसास - देहरादून में शुक्रवार रात तापमान सामान्य से 4 डिग्री कम होकर 18.6 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। इस दौरान 5.6 मिमी बारिश भी हुई। रात के समय हल्की ठंड ने लोगों को पंखे और कूलर बंद कर चादर ओढ़ने पर मजबूर कर दिया। अन्य शहरों में भी तापमान में कमी देखी गई, जिससे मौसम सुहाना हो गया। इन जिलों में येलो अलर्ट- मौसम विभाग ने उत्तरकाशी, रुद्रप्रयाग, चमोली, बागेश्वर, पिथौरागढ़, नैनीताल और चंपावत के लिए भारी बारिश का येलो अलर्ट जारी किया है। इन जिलों में तेज बारिश और हवाओं के कारण भूस्खलन या सड़क अवरुद्ध होने की आशंका है। विभाग ने स्थानीय प्रशासन को सतर्क रहने और आवश्यक उपाय करने के निर्देश दिए हैं।

लोगों को सावधानी की सलाह - मई की बारिश ने जहां गर्मी से राहत दी, वहीं कुछ क्षेत्रों में हल्का नुकसान भी हुआ। अब अगले तीन दिनों की भारी बारिश की चेतावनी को देखते हुए लोगों से नदी-नालों के पास न जाने, ऊंचे पेड़ों के नीचे खड़े न होने और यात्रा के दौरान सावधानी बरतने की अपील की गई है। खासकर पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को भूस्खलन और ओलावृष्टि के प्रति सजग रहने की सलाह दी गई है।

मौसम विभाग का कहना है कि यह बारिश उत्तराखंड के लिए मानसून से पहले की महत्वपूर्ण गतिविधि है, जो कृषि और जल संसाधनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकती है। हालांकि, संभावित नुकसान से बचने के लिए सतर्कता जरूरी है।

सड़क पर लहराते हुए कार दौड़ा रहे चालक को सोमेश्वर पुलिस ने गिरफ्तार,कार सीज

अल्मोड़ा (इंडिया वार्ता ब्यूरो)। श्री देवेन्द्र पींचा, एसएसपी अल्मोड़ा द्वारा समस्त थानाध्यक्षों को ड्रिंक एंड ड्राइव के विरुद्ध अभियान चलाकर नशे में वाहन चलाने वालों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करने के सख्त निर्देश दिये गये है।

कल दिनांक 31.05.2025 को सीओ अल्मोड़ा श्री गोपाल दत्त जोशी के पर्यवेक्षणव थानाध्यक्ष सोमेश्वर श्री कश्मीर सिंह के नेतृत्व में चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था,इसी दौरान सोमेश्वर बाजार एक कार स्विफ्ट च-01ष्ठ-2667 का चालक विजय पाण्डेय निवासी रस्यारा सोमेश्वर जिला अल्मोडा नशे की हालत मे अपनी गाडी को लहराते हुए चला रहा था,जिससे आस पास से गुजर रहे वाहन को भी नुकसान पहुंचा रहा था और आम जनमानस का जीवन संकटमय हो रहा था । वाहन चालक को रुझ्र छ्र की धारा 185 के अन्तर्गत गिरफ्तार किया गया और कार को सीज किया गया ।

पुलिस टीम— 1. थानाध्यक्ष श्री कश्मीर सिह 2. उ0नि0 श्री राजेन्द्र कुमार 3. कानि0 श्री वेद प्रकाश 4. कानि0 श्री गोरख नाथ

मानव तन ईश्वर का, ब्रह्मज्ञान गुरु का दिव्य उपहार: भारती

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान के निरंजनपुर स्थित आश्रम में इस रविवार को साप्ताहिक आध्यात्मिक कार्यक्रम श्रद्धा और भक्ति भाव से संपन्न हुआ। दिव्य गुरु आशुतोष महाराज की कृपा से आयोजित इस कार्यक्रम का आरंभ संगीतमय भजनों की सुंदर प्रस्तुति से हुआ, जिन्होंने वातावरण को भक्तिरस से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का संचालन साध्वी अनीता भारती जी ने किया। उन्होंने भजनों की गूढ़ व्याख्या करते हुए कहा कि मनुष्य जीवन का उद्देश्य केवल सांसारिक सुखों तक सीमित नहीं है। शास्त्रों के अनुसार, इसी मानव शरीर में रहते हुए ईश्वर की प्राप्ति संभव है, और यह तभी संभव होती है जब मनुष्य पूर्ण गुरु की शरण में जाकर ब्रह्मज्ञान प्राप्त करे। साध्वी जी ने भगवान शिव द्वारा माता पार्वती को दिए गए उपदेशों का उल्लेख करते हुए कहा कि 'परमगुरु' ही ऐसे ब्रह्मनिष्ठ ज्ञानी होते हैं, जो ब्रह्मज्ञान के माध्यम से शिष्य को ईश्वर से जोड़ते हैं और जन्म-मरण के चक्र से मुक्ति दिलाते हैं। मुख्य वक्ता के रूप में साध्वी सुभाषा भारती जी ने संगत को संबोधित करते हुए कहा कि मनुष्य तन एक दुर्लभ ईश्वरीय अवसर है, जिसे पाकर भी यदि हम आत्मिक उत्थान की दिशा में न बढ़ें, तो यह जीवन व्यर्थ चला जाता है। उन्होंने कहा कि जब गुरु जीवन में आते हैं तो वे शिष्य को अपने रंग में रंग देते हैं, उसे दिव्यता की ओर प्रेरित करते हैं।

मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की किताब में डूबी सृति झा, गहरी भावनाओं को साझा किया

टीवी एक्ट्रेस सृति झा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। इन दिनों वह मशहूर लेखिका वर्जीनिया वुल्फ की प्रसिद्ध नारीवादी किताब ए रूम ऑफ वन्स ओन पढ़ रही हैं। एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर इस किताब को पढ़ते हुए एक पोस्ट शेयर की, जिसमें देखा जा सकता है कि वह इस किताब में कितनी डूबी हुई हैं।

बता दें कि ए रूम ऑफ वन्स ओन में वर्जीनिया वुल्फ ने औरतों के लिए रचनात्मक आजादी और आर्थिक स्वतंत्रता की जरूरत को रेखांकित किया है। यह किताब इस विचार पर आधारित है कि एक औरत को अगर लेखन या किसी भी रचनात्मक काम में सफल होना है, तो उसके पास अपने आर्थिक संसाधन होने चाहिए।

एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं। पहली तस्वीर में किताब का क्लोज-अप है, जिसमें किताब पर लिखा नाम ए रूम ऑफ वन्स ओन साफ नजर आ रहा है। दूसरी तस्वीर में चाय के कप के साथ पढ़ते हुए कुछ बेपरवाह लम्हे मौजूद हैं। इस तस्वीर में वह एक कप चाय के साथ आराम से बैठकर किताब पढ़ रही हैं। तीसरी तस्वीर किताब के एक पैराग्राफ की है, जिसमें गहराई और भावनात्मकता का अंश है।

तस्वीर में आए किताब के अंश में लिखा है, हाय! अगर कोई औरत कलम चलाने की कोशिश करती है, तो उसे बहुत घमंडी माना जाता है। उसका यह दोष सुधारे जाने लायक नहीं था। लोग कहते हैं कि अच्छा व्यवहार, फैशन, डांस, सजना-संवरना यही सब गुण हैं जो एक महिला में होने चाहिए। अगर हम लिखें, पढ़ें, सोचें या कुछ जानना चाहें, तो कहा जाता है कि इससे हमारी सुंदरता फीकी पड़ जाएगी, हमारा समय बर्बाद होगा। घर संभालना, वो भी एक दास की तरह.. यही कुछ लोगों की नजर में महिला का असली हुनर और मकसद है।

इस पोस्ट को शेयर करते हुए कैप्शन में उन्होंने किताब का अंश जोड़ा, जिसमें कहा गया कि इतिहास में जिन औरतों को पागल, चुड़ैल, या भूत-प्रेत से ग्रसित बताया गया, वो शायद असल में बेहद प्रतिभाशाली लेखिकाएं, कवयित्रियां, उपन्यासकार थीं, जिन्हें समाज ने समझा नहीं, स्वीकार नहीं किया और उनके हुनर को दबा दिया गया।

सृति झा ने टीवी इंडस्ट्री में असली पहचान प्रज्ञा अरोरा मेहरा के किरदार से पाई, जिसे उन्होंने पॉपुलर टीवी शो कुमकुम भाग्य में निभाया था। इस किरदार से वह घर-घर में मशहूर हो गईं। उन्होंने अपना एक्टिंग करियर 2007 में शुरू किया था। वह पहली बार एक ड्रामा शो धूम मचाओ धूम में नजर आईं। इस शो में उन्होंने मालिनी शर्मा की भूमिका निभाई थी। इसके बाद वह ज्योति, रक्त संबंध, दिल से दी दुआ...सौभाग्यवती भव? जैसे सीरियल्स में नजर आईं।

शाही स्नान को हनोल पहुंची बौठा महासू की देव पालकी

विकासनगर ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। हिमाचल प्रदेश के रोहडू क्षेत्र के अढाल गांव से नवनिर्मित बौठा महासू चालदा देवता की पालकी शाही स्नान के लिए रविवार को महासू धाम हनोल पहुंची। बौठा महासू चालदा देवता अढाल की छह दिवसीय यात्रा पर हैं। शनिवार को देवता अपने दूसरे पड़ाव पर उत्तराखंड के बाशिक महासू देवता और देवलाडी माता मंदिर मैंद्रथ पहुंचे थे। रविवार को देव पालकी के हनोल पहुंचने पर मंदिर समिति और देव कारिंदों ने भव्य स्वागत किया। पांच सौ से अधिक श्रद्धालुओं के जत्थे के साथ चल रही देव पालकी का सनैल, आराकोट, पंद्राणू, कठंग, मझोग, त्यूणी में भव्य स्वागत किया गया। रात्रि विश्राम के बाद सोमवार को देव पालकी का शाही स्नान कराया जाएगा। हिमाचल प्रदेश अढाल से आए बौठा महासू चालदा की पालकी ओर रायगी से हिमाचल प्रदेश जुब्बल के बदियार गांव में शेडकूडिया देवता के नवनिर्मित मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा की जा रही है। दोनों देव पालकियों का जेपीआरआर राष्ट्रीय राजमार्ग पर गैराणू के पास दिव्य मिलन हुआ। देव पालकी के अदभुत मिलन के वक्त टौंस नदी के दोनो छोर जयकारों से गूंज उठे। शेडकूडिया देवता रायगी मंदिर से शनिवार दोपहर साढ़े ग्यारह बजे बाहर आए। यहां देव पालकी श्रद्धालुओं के साथ हिमाचल प्रदेश के जुब्बल तहसील के बदियार गांव के नवनिर्मित मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा में शामिल होने के लिए रवाना हुए। रायगी के शेडकूडिया देवता की हिमाचल प्रदेश के जुब्बल क्षेत्र में बड़ी मान्यता है। गैराणू के पास टौंस के दोनों छोर से प्रवास पर निकली देव पालकियों के दिव्य मिलन हुआ। जिसके बाद बौठा महासू की देव पालकी हनोल के लिए और शेडकुड़िया देवता की पालकी बदियार के लिए रवाना हुई। हनोल में मंदिर के पुजारी गोविंदराम नौटियाल, सुरेंद्र नौटियाल, सचिव मोहनलाल सेमवाल, प्रबंधक नरेंद्र नौटियाल, रविंद्र कायथ, दिनेश, प्रेम सिंह, भगत सिंह समेत देव कारिंदों ने भव्य स्वागत किया।

भाजपा शासन में ईमानदार अधिकारियों की जरूरत नहीं : धीरेंद्र प्रताप

देहरादून इंडिया वार्ता ब्यूरो। उत्तराखंड में आईपीएस अधिकारी रचिता जुयाल के पुलिस सेवा से इस्तीफे की पेशकश पर राज्य आंदोलनकारी और उत्तराखंड कांग्रेस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष, पूर्व मंत्री धीरेंद्र प्रताप ने गहरा दुख और नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने इस घटना को भाजपा सरकार में ईमानदार अधिकारियों की उपेक्षा का परिणाम बताया है। धीरेंद्र प्रताप ने कहा कि रचिता जुयाल जैसी योग्य, कर्तव्यनिष्ठ और ईमानदार अधिकारी को इसलिए इस्तीफा देना पड़ा है क्योंकि उन्होंने एक भ्रष्ट पुलिस अधिकारी को भ्रष्टाचार के आरोप में पकड़ा था। उन्होंने आरोप लगाया कि जिस टीम ने रचिता जुयाल के नेतृत्व में इस कार्रवाई को अंजाम दिया, उस टीम के कनिष्ठ अधिकारियों को पुरस्कृत करने के बजाय राज्य सरकार द्वारा तिरस्कृत किया जा रहा है और उनके तबादले किए जा रहे हैं। पूर्व मंत्री ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस मामले की गंभीरता को समझने और उत्तराखंड की एक योग्य आईपीएस अधिकारी के सम्मान की रक्षा करने का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि अच्छे अधिकारियों को दंडित करने के बजाय उनके सम्मान की रक्षा करना ही उत्तराखंड के हित में है। धीरेंद्र प्रताप ने जोर दिया कि यदि पुलिस या प्रशासनिक अधिकारी अच्छा काम करते हैं और उन्हें पुरस्कृत करने के बजाय दंडित किया जाता है, तो इससे पुलिस और प्रशासनिक सेवाओं का मनोबल गिरता है। उन्होंने सरकार से अपील की कि वह आईपीएस रचिता जुयाल की भावनाओं को समझे और बेईमान लोगों के खिलाफ चल रहे अभियान में अच्छे अधिकारियों की बात सुने। धीरेंद्र प्रताप ने अंत में कहा कि जनता पहले ही भ्रष्टाचार से बहुत तंग है और ऐसे में ईमानदार अधिकारियों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

सैनिकों के सम्मान में पचपन यूनिट रक्तदान

देहरादून । ग्राफिक चौक सुभाषनगर में रविवार को सैनिकों के सम्मान में युवाओं ने पचपन यूनिट रक्तदान किया। युवाओं की पहल को अतिथियों ने सराहा और मरीजों के लिए रक्तदान की अहमियत पर बल दिया। समाजसेवी फारूक राव व ऑटो ड्राइव संस्थापक जावेद मालिक, शक्ति पुंडीर की अगुवाई में ऑटो ड्राइव कार बाजार की ओर से देव भूमि ब्लड बैंक सहयोग से रक्तदान शिविर लगाया गया। मुख्य अतिथि राज्य मंत्री कर्नल अजय कोठियाल, बार एसोसिएशन के अध्यक्ष मनमोहन कंडवाल, विशिष्ट अथिति थाना पटेल नगर प्रभारी चंद्र भान सिंह व इंस्पेक्टर योगेश दत्त रहे। कर्नल कोठियाल ने कहा कि सभी युवाओं को रक्तदान करना चाहिए और बढ़ चढ़ कर इसमें हिस्सा लेना चाहिए। समाजसेवी फारूक राव ने कहा हम समय समय पर रक्तदान शिविर लगाते रहते है, वर्तमान में मरीजों को रक्त की आवश्यकता पड़ रही है व ब्लड बैंक मै भी ब्लड की कमी पड़ रही है, ऐसे में युवाओं को आगे आना चाहिए।

प्रशासन का पड़ा हथोड़ा तो स्कूल प्रबंधन के होश आए ठिकाने, जमा कराई 5,72,000 की पेनल्टी

बैकफुट पर आए नामी गिरामी निजी स्कूल

मा0 मुख्यमंत्री के निर्देश पर जिला प्रशासन का शिक्षा माफियाओं पर कड़ा प्रहार जारी

जिला प्रशासन ने निकाली निजी स्कूलों की हेकड़ी; मानक विपरीत फीस वसूली पर 5,72,000 की पेनल्टी

द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला फीस कम करने का जिला प्रशासन को लिख चुका है पत्र, अब जमा कराई पेनल्टी

प्रशासन के बुलाने के बाद भी नहीं हुए थे हाजिर, प्रशासन में खंगाले कागज तो सामने आया सच

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। ,द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला ने 5,72000 की पेनल्टी जमा कराई है तथा लिखित रूप में फीस कम करने का जिला प्रशासन को सहमति दी है।

जिलाधिकारी सविन बंसल शिक्षा माफियाओं पर कड़ा रूख अपनाए हुए हैं, जिससे एक और जहां अभिभावकों में खुशी है वही शिक्षा माफिया में प्रशासन का डर पैदा हो गया है।

सविन बंसल के निर्देशन में शिक्षा माफियाओं पर निरंतर कार्यवाही की जा रही है। अभिभावकों से फीस के नाम पर वसूली की शिकायतों पर जिला प्रशासन द्वारा शहर के कई नामी-गिरामी निजी स्कूलों पर कार्यवाही से जहां शिक्षा माफियाओं के हौसले पस्त हुए हैं वही बड़े-बड़े स्कूलों का फीस बढोतरी का खेल भी सामने आया है। फीस बढोतरी पर जिला प्रशासन की जीरो टालरेंस की नीति अपनाए हुए है।

जिला प्रशासन के कड़े रूख

मा0 मुख्यमंत्री के निर्देशों के परिपालन में जिला प्रशासन देहरादून जिलाधिकारी और निरंतर प्रवर्तन की कार्यवाही जारी है, जिससे शहर कस्बों में अवस्थित निजी नामी गिरामी स्कूलों के तेवर ढीले हो गए हैं, वहीं स्कूल प्रबन्धन अब अपनी फीस घटा रहे। ताजा मामला द प्रेसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल भानियावाला का है, स्कूल प्रबन्धन द्वारा लिखित रूप से स्कूल फीस कम करने का पत्र प्रशासन को दिया है। जिला प्रशासन की दृढ़ इच्छा शक्ति के आगे अब शिक्षा माफियाओं के हौसले नहीं टिक पा रहे हैं, जिससे जिले के कई नामी गिरामी स्कूल अब मनमर्जी फीस बढोतरी पर आए बैकफुट पर आएं है। जिला प्रशासन ने जैसे ही सख्ताई दिखाई तो धीरे-2 स्कूल फीस बढोतरी का खेल भी खुलने लगा। द प्रसिडेंसी इन्टरनेशनल स्कूल, भनियावाला का मामला सामने आया है जहां 100 से अधिक अभिभावकों ने फीस बढ़ोतरी की थी शिकायत, बिना मान्यता नवीनीकरण के स्कूल संचालित होने पर प्रशासन ने लगाई रू0 5,72000 की शास्ति लगाई थी। जिसे चेक के माध्यम से जमा करा दिया गया है। अब स्कूल प्रबन्धन द्वारा जिला प्रशासन को लिखित रूप फीस कम करने का पत्र दिया है।

प्रथम पृष्ठ का शेष

मुख्यमंत्री ने किया हरिद्वार में किया ..

संरक्षण और संवर्धन के लिए उत्तराखंड सरकार कृत संकल्पित है। प्रदेश के मूल स्वरूप को बनाए रखने के लिए लैंड जिहाद, लव जिहाद और थूक जिहाद जैसी विकृत मानसिकताओं के खिलाफ सख्त कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि देवभूमि का जो मूल अस्तित्व है, वह बचा रहना चाहिए।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा प्रदेश में सराहनीय कार्य किए जा रहे हैं, यह दिल्ली के लिए प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड देवभूमि है और धामी जी पूरे देश के लिए प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि जो भी अच्छी योजनाएं मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी लायेंगे वह दिल्ली में भी जायेंगी। उन्होंने कहा कि मां यमुना स्वच्छ हो, मां गंगा जी के चरणों में आकर अपने इस प्रण को पुन: दोहराया। इस दौरान साध्वी ऋतम्भरा जी, परमानन्द गिरी जी महाराज, आचार्य बाल कृष्ण, अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महन्त रविन्द्रपुरी जी महाराज,महानिर्वाणी पीठ के आचार्य महामंडलेश्वर विशोखानंद ,महामंडलेश्वर संतोषी माता, महामंडलेश्वर हरिचेतनानंद महाराज, साध्वी मैत्रीगिरी, विधायक मदन कौशिक, विधायक आदेश चैहान, विधायक प्रदीप बत्रा, मेयर किरन जेसल, जिलाधिकारी कर्मेन्द्र सिंह, एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल, उपाध्यक्ष एचआरडीए अंशुल सिंह, नगर आयुक्त नन्दन सिंह, अपर जिलाधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी, दर्जा राज्यमंत्री देशराज कर्णवाल, डॉ.जयपाल सिंह चैहान, ओमप्रकाश जमदग्नि, शौभाराम प्रजापति सहित अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि आदि उपस्थित थे।

चार पर्वतारोहियों ने फतह किया बाली पास दर्रा

रुद्रप्रयाग, ,इंडिया वार्ता ब्यूरो। दुनिया के सबसे ऊंचे और कठिन ट्रेक में शामिल बाली पास दर्रे को 4 सदस्यीय दल ने सफलतापूर्वक पार कर लिया है। दल ने मात्र चार दिनों में यह अभियान पूर्ण किया। शिक्षक नवीन जोंटी सजवाण ने बताया कि उनका दल उत्तरकाशी के गंगाड़ गांव से देवसू बुग्याल, रुइनसारा, उड्यारी और यमुनोत्री धाम होकर सकुशल जानकी चट्टी पहुंच गया है। अभियान दल में शामिल रुद्रप्रयाग बसुकेदार के नवीन जोंटी सजवाण ने बीते 29 मई की सुबह बेस कैंप से मात्र 45 मिनट में बाली पास दर्रे को सफलता पूर्वक पार किया। दल के अन्य सदस्य मुकेश मंजुल शर्मा ने मात्र 55 मिनट में पास को पार किया। उच्च हिमालय क्षेत्र में कई दुर्गम ट्रेक कर चुके नवीन जोंटी सजवाण ने बताया कि जून 2023 में भी वे बाली पास अभियान के लिए गए थे. लेकिन लगातार खराब मौसम के कारण निराश होकर उनको रुइनसारा झील से वापस आना पड़ा था।

इस बार भी अभियान दल को बेस कैंप में लगातार तूफान और बर्फबारी का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि कठिन साहसिक यात्रा के साथ ही यह उनकी धार्मिक यात्रा भी रही। कठिन परिस्थितियों के बावजूद बाली पास दर्रे को पार करते हुए वह यमुनोत्री धाम होकर जानकी चट्टी पहुंचने में सफल रहे।

नवीन जोंटी सजवाण ने बताया कि लगातार बर्फबारी के बावजूद लगभग आठ दिनों के इस अभियान को उनके दल ने मात्र चार दिनों में पूरा किया है। इस दल में उच्च हिमालयी क्षेत्र में पर्वतारोहण व ट्रैकिंग के शौकीन रुद्रप्रयाग जनपद के बसुकेदार निवासी नवीन जोंटी सजवाण सहित ऋषिकेश के मुकेश मंजुल शर्मा, जयपुर के दिलीप नाजकानी और विजय ठाकुर शामिल हैं।

उत्तरकाशी जिले में स्थित 16200 फीट पर मौजूद यह बाली पास ट्रेक हर की दून घाटी को यमुनोत्री धाम से जोड़ता है. लगभग 60 किमी लंबे इस ट्रेक में रोमांच से भरपूर खतरनाक ग्लेशियर और बाली पास दर्रे को पार करना बड़ा ही चुनौतीपूर्ण और जोखिम भरा माना जाता है. हिमालय की कंदराओं, खतरनाक चट्टानों और ग्लेशियर के ऊपर से गुजरने वाले इस ट्रेक पर साहसिक और रोमांच के शौकीन ट्रैकर काला नाग, बंदर पूंछ, स्वर्गारोहिणी की सुंदर बर्फीली चोटियों और सुंदर देवसू बुग्याल, थांगा बुग्याल, रुइनसारा झील के दीदार करते हुए यमुनोत्री धाम होते हुए जानकी चट्टी पहुंचते हैं।

पत्रकारिता की दशा और दिशा विषयक गोष्ठी एवं उत्तराखंड गौरव सम्मान समारोह का आयोजन

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। स्माल मीडियम बिग न्यूज पेपर्स सोसायटी की उत्तराखंड इकाई द्वारा आज देहरादून के सर्वे चैक स्थित सभागार में हिंदी पत्रकारिता दिवस के अवसर पर 'पत्रकारिता की दशा और दिशा' विषय पर एक विचार गोष्ठी एवं उत्तराखंड गौरव सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई, जिसके पश्चात वंदना गीत की प्रस्तुति ने समारोह का आध्यात्मिक आरंभ किया। इस अवसर पर देशभर से पत्रकारिता जगत की जानी-मानी हस्तियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में बी.एम. शर्मा (राष्ट्रीय अध्यक्ष, राजस्थान), सरदार दीपक सिंह (राष्ट्रीय महासचिव, गुरुग्राम), सरदार गुरविंदर सिंह (पूर्व सदस्य, प्रेस काउंसिल, दिल्ली), सुधीर पाण्डा (केंद्रीय मीडिया मान्यता समिति सदस्य, उड़ीसा), अशोक कुमार नवरत्न (पूर्व सदस्य, प्रेस काउंसिल, लखनऊ), एल.सी. भारतीय (पूर्व सदस्य, प्रेस काउंसिल, राजस्थान) तथा डी.डी. मित्तल (पत्रकार कल्याण समिति, उत्तराखंड सरकार) विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम में उत्तराखंड के राजनीतिक और प्रशासनिक क्षेत्र से भी कई अति विशिष्ट अतिथियों ने शिरकत की, जिनमें प्रेमचंद अग्रवाल (पूर्व कैबिनेट मंत्री), खजानदास (विधायक, राजपुर), सविता कपूर (विधायक, कैंट), बंशीधर तिवारी (सूचना महानिदेशक), योगेश भट्ट (सूचना आयुक्त एवं पूर्व प्रेस क्लब अध्यक्ष), कर्नल अजय कोठियाल (केसी, एससी, वीएमएम), चंद्रवीर गायत्री और राजेंद्र सिंह (मुख्य संरक्षक) शामिल रहे। संगठनात्मक नेतृत्व में राजकुमार छाबड़ा (प्रदेश अध्यक्ष), राशिद अली (प्रदेश महासचिव), कविता खत्री (प्रदेश सचिव), पंकज कोहली (प्रदेश उपाध्यक्ष), नरेन्द्र रतूड़ी तथा मीनाक्षी कश्यप (प्रदेश संगठन मंत्री) ने कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रमुख भूमिका निभाई। गोष्ठी में वक्ताओं ने आज की पत्रकारिता की चुनौतियां, मीडिया की विश्वसनीयता, डिजिटल युग की भूमिका और जनसरोकारों से जुड़े मुद्दों पर गंभीर चर्चा की। वक्ताओं ने इस बात पर बल दिया कि पत्रकारिता केवल सूचना का माध्यम नहीं, बल्कि समाज के चिंतन और परिवर्तन का आधार है। कार्यक्रम के अंत में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले पत्रकारों और समाजसेवियों को उत्तराखंड गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। समारोह में उत्तराखंड सहित देशभर से आए पत्रकारों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, बुद्धिजीवियों और छात्रों की उत्साहजनक भागीदारी रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक संदीप शर्मा ने इंडिया प्रिन्टर शांप न. 06 संगम प्लाजा धर्मपुर देहरादून से मुद्रित करवाकर मोहक्कमपुर खुर्द पोस्ट आई.आई.पी. रेलवे क्रसिंग हरिद्वार रोड़ देहरादून (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया।

प्रधान सम्पादक : संजीव शर्मा

संपादकः संदीप शर्मा

सह सम्पादक : डा. विष्णु बिश्वास

संजीव अग्निहोत्री गढ़वाल प्रभारी

अल्मोड़ा जिला प्रभारी : रोहित कार्की

अल्मोड़ा संवाददाता : रक्षित कार्की

ब्यूरो चीफ : राजीव अग्रवाल

Email.
indiawarta@gmail.com
indiawarta@rediffmail.com
Web Site
www.indiawarta.com
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104
M- 7500471414,7500581414

नोट– समाचार पत्र में सभी पद अवैतानिक हैं। किसी भी वाद विवाद का न्याय क्षेत्र देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा।
R.N.I NO. UTTHIN/2011/39104

मोदी सरकार के 11 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेश भर मे होंगे संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम : चौहान

कार्यक्रमों के माध्यम से साझा की जायेगी उल्लेखनीय उपलब्धियों की तस्वीर

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। भाजपा "मोदी सरकार के 11 साल "संकल्प से सिद्धि तक कार्यक्रम के माध्यम से व्यापक जनसहभागिता से मनाने जा रही है। जिसके तहत सभाओं के माध्यम से विकसित भारत का संकल्प लिया जाएगा। इसके साथ ही पत्रकार वार्ता, कार्यशालाएं, विकास प्रदर्शनी, विधानसभा स्तर पर केंद्रीय योजनाओं के पंजीकरण शिविरों का भी आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए रविवार को प्रदेश अध्यक्ष राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट की अध्यक्षता में प्रदेश स्तरीय वर्चुअल कार्यशाला आयोजित हुई । कार्यशाला में राष्ट्रीय महामंत्री उत्तराखंड प्रभारी श्री दुष्यंत गौतम , सह प्रभारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा वर्मा प्रदेश महामंत्री संगठन श्री अजेय कुमार द्वारा कार्यक्रम के

सफल संचालन के विस्तार से जानकारी दी गई । कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए श्री कुलदीप कुमार के नेतृत्व में 4 सदस्य प्रदेश समिति गठित की गई है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी श्री मनवीर सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया, 9 जून को मोदी सरकार के शानदार 11 साल पूर्ण होने जा रहे हैं। देश के यशस्वी एवं दूरदर्शी प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने इस कार्यकाल में अनेकों उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त की है। विकास, विरासत और जनकल्याण के सिद्धांत पर आगे बढ़ते हुए भारत अब विश्व की चौथी अर्थव्यवस्था बन गया है और विकसित भारत बनने जा रहा है। लिहाजा राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री जे पी नड्डा के निर्देश पर केंद्र की 11 वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित संकल्प से सिद्धि तक, राष्ट्रव्यापी अभियान चलाने जा रही है। जिसे प्रदेशाध्यक्ष एवं राज्यसभा सांसद श्री महेंद्र भट्ट के नेतृत्व में राज्यभर में विभिन्न रचनात्मक कार्यक्रमों से जनसभागिता के साथ मनाया जाएगा।

इन कार्यक्रमों के संचालन के लिए 4 सदस्य जिला समिति तथा 3 सदस्य मण्डल समिति का गठन किया गया है। तैयारी के क्रम में प्रदेश की वर्चुअल कार्यशाला के बाद 4 -6 जून तक जिला स्तर पर प्रत्यक्ष कार्यशालाये संपन्न की जाएंगी। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा 8 जून को दिल्ली में तथा मुख्यमंत्री एवं प्रदेश अध्यक्ष द्वारा 9 जून को देहरादून में प्रेस वार्ता को संबोधित किया जायेगा। इसी तरह "मोदी सरकार के 11 साल "संकल्प से सिद्धि तक% विषय पर जिला स्तर पर 10, 11 जून को प्रेस वार्ता आयोजित की जाएगी। वहीं प्रत्येक जिले में प्रोफेशनल मीट भी आयोजित की जाएगी, जिसमें 3 वक्ता सरकार की उपलब्धियों से संबंधित तीन विषयों पर अपनी बात रखेंगे।

इस अभियान के महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रत्येक मण्डल में 12 से 14 जून तक %विकसित भारत संकल्प सभा% आयोजित की जायेगी। जिसमें उपस्थित जनसमूह के साथ विकसित भारत के लिए संकल्प लिया जाएगा। वहीं 15-17 जून शक्तिकेन्द्र अनुसार शहरों में मोहल्ला चौपाल और ग्राम पंचायत केंद्रों में पंचायत चौपाल भी आयोजित की जाएंगी। उनमें भी उपस्थित लोगों द्वारा विकसित भारत का संकल्प लिया जाएगा और मोदी सरकार की उपलब्धियों का पत्रक घर-घर वितरित किया जाना जायेगा।

इसके अतिरिक्त विधानसभावार केन्द्र प्रायोजित योजनाओं हेतु पंजीकरण शिविर लगाए जाएंगे। वरिष्ठ नागरिकों के लिए आयुष्मान भारत योजना का पंजीकरण 100 प्रतिशत सुनिश्चित करने हेतु घर-घर पहुंचा जाएगा। इन कार्यक्रमों मे विधायक, पूर्व विधायक, दायित्वधारी, मेयर, नगर पालिका/पंचायत अध्यक्ष, पार्षद, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख एवं जिला पंचायत सदस्यों अग्रणी भूमिका निभायेंगे।

डिजिटल प्रतियोगिता जिसमें सभी जिलों में लंबे और छोटे वीडियो एवं चित्रात्मक ग्राफिक्स संबंधित प्रतियोगिता आयोजित की जानी हैं। वहीं सभी जिला केंद्रों पर एक प्रदर्शनी भी लगाई जाएंगी।

इन सभी कार्यक्रमों के संचालन के लिए पार्टी द्वारा प्रदेश समिति का गठन किया गया है। जिसमें संयोजक के रूप में प्रदेश उपाध्यक्ष श्री कुलदीप कुमार, सह संयोजक के तौर पर सरकार में दायित्वधारी श्री विनय रुहेला, श्रीमती रेनू अधिकारी एवं श्री कुंदन परिहार को जिम्मेदारी दी गई है।

एक महीने में केदारनाथ धाम यात्रा में लगभग 200 करोड़ का कारोबार

इंडिया वार्ता ब्यूरो

देहरादून। केदारनाथ धाम यात्रा हर वर्ष नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। एक ओर जहां बाबा केदारनाथ के दर्शन को देश विदेश से पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा नए रिकॉर्ड कायम कर रहा है वहीं स्थानीय लोगों के रोजगार को भी बढ़ती हुई यात्रा से लगातार लाभ मिल रहा है। दूसरी ओर शासन प्रशासन द्वारा यात्रा पर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं को दी जा रही सुविधाओं से सरकार को भी भारी राजस्व प्राप्त हो रहा है। बाबा के कपाट खुले एक महीने का समय पूर्ण हो चुका है और इसी एक महीने में सरकारी सुविधाओं से लेकर स्थानीय व्यापारियों ने दो अरब से अधिक का कारोबार कर लिया है। वहीं जून का महीना शुरू होने के बाद से श्रद्धालुओं की संख्या में लगातार इजाफा भी होने लगा है, जिसका स्थानीय व्यापारियों एवं महिला स्वयं सहायता समूहों को पूरा लाभ मिलेगा।

वर्ष 2025 की यात्रा के लिए 02 मई को बाबा केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुल गए थे। बाबा के कपाट खुले एक महीने का समय पूर्ण हो चुका है। रविवार 01 जून को बाबा के दर्शन करने वाले भक्तों की संख्या 07 लाख पार हो चुकी है। पिछले एक महीने का औसत निकला जाए तो प्रतिदिन 24 हजार श्रद्धालु बाबा के दर्शनों को केदारपुरी पहुंचे हैं।

केदारनाथ धाम यात्रा देश की सबसे कठिन धार्मिक यात्राओं में से एक है। करीब 20 किलोमीटर का कठिन पैदल मार्ग पार करने के बाद हिमालय पर्वत की गोद में बसे 11 वें ज्योतिर्लिंग के दर्शन हो पाते हैं। इस कठिन पैदल धार्मिक यात्रा में घोड़ा -खच्चरों का बेहद अहम योगदान होता है। असमर्थ एवं बुजुर्ग भक्त अक्सर इन्हीं के माध्यम से यात्रा करते हैं वहीं खाद्य पदार्थ से लेकर अन्य अनिवार्य सामग्री इन्हीं घोड़े खच्चरों से यात्रा मार्ग एवं केदारपुरी में पहुंचाई जाती है। मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी डॉ आशीष रावत ने बताया कि 31 मई तक 1,39,444 तीर्थलु घोड़े खच्चरों के माध्यम से दर्शनों को पहुंचे हैं जिसके माध्यम से 40 करोड़ 50 लाख से अधिक की आय प्राप्त हुई है। बताया कि इस वर्ष संक्रामक बीमारी इक्काइन इन्फ्लूएंजा वायरस के चलते कुछ दिन घोड़ा खच्चर संचालन प्रभावित भी रहा।

हेली सेवाओं की श्री केदारनाथ धाम यात्रा में अपनी एक अहम भूमिका है। हेली सेवाओं के माध्यम से किसी भी हालात में पैदल यात्रा करने में असमर्थ श्रद्धालुओं को बाबा के दर्शन का मौका मिलता है। वहीं रेस्क्यू अभियान में हेली सेवाएं अहम किरदार निभा रही हैं। प्रत्येक दिन दो से तीन मेडिकल आपातकाल से जूझ रहे लोगों को हेली सेवाओं से ही समय पर हायर सेंटर रेस्क्यू किया जाता है। जिला पर्यटन अधिकारी एवं नोडल हेली सेवा राहुल चैबे ने बताया कि इस वर्ष आठ हेली कंपनियां नौ हेलीपैड से अपना संचालन कर रही हैं। 31 मई तक लगभग 33000 श्रद्धालु हेली सेवाओं के माध्यम से बाबा केदारनाथ धाम पहुंचे हैं जिससे करीब 35 करोड़ रुपए की आय प्राप्त हुई है। चैबे ने श्रद्धालुओं से अपील करते हुए कहा कि हेली बुकिंग के लिए आईआरसीटीसी की आधिकारिक वेबसाइट से ही बुकिंग की जाए। केदारनाथ धाम पैदल यात्रा मार्ग पर जितने घोड़े- खच्चरों का संचालन महत्वपूर्ण है उतना ही डंडी- कंडी संचालन भी। पैदल चलने में असमर्थ कई भक्त डंडी कंडी की जगह डंडी- कंडी से यात्रा करना पसंद करते हैं। वहीं छोटे बच्चों के लिहाज से भी यह ज्यादा सुरक्षित माना जाता है। इसके अलावा कई श्रद्धालु खुद पैदल यात्रा कर केवल समान डंडी- कंडी की मदद से केदारपुरी पहुंचा देते हैं। अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत रुद्रप्रयाग संजय कुमार ने बताया कि इस वर्ष की यात्रा के लिए 7000 से अधिक डंडी- कंडी संचालक पंजीकृत हैं। 31 मई तक 29275 श्रद्धालु डंडी- कंडी के माध्यम से यात्रा कर चुके हैं, जिससे एक करोड़ 16 लाख, 89 हजार 100 रुपए की आय प्राप्त हुई है। वहीं गंदगी फैलने एवं अन्य नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न प्रतिष्ठानों का 2,26,000 रुपए का चालन कर अर्थदंड भी वसूला गया है। सहायक परिवहन अधिकारी रुद्रप्रयाग कुलवंत सिंह चैहान ने बताया कि इस वर्ष श्री केदारनाथ धाम यात्रा में शटल सेवा के लिए 225 गाड़ियां पंजीकृत हैं। इन्हीं गाड़ियों में श्रद्धालु सोनप्रयाग से गौरीकुंड तक पहुंचते हैं। अब तक सात लाख से अधिक श्रद्धालु श्री केदारनाथ धाम पहुंच चुके हैं हर यात्री को 50 रुपए जाने एवं 50 रुपए वापस सोनप्रयाग आने के चुकाने पड़ते हैं। 01 जून तक 7 लाख श्रद्धालु धाम में पहुंच चुके हैं यानी अब तक टैक्सी संचालक करीब 7 करोड़ रुपए शटल सेवा के माध्यम से अर्जित कर चुकी हैं। वहीं इस वर्ष नई पहल करते हुए 25 गाड़ियां महिला एवं बुजुर्गों के लिए आरक्षित की गई हैं। प्रति गाड़ी में औसतन 10 सवारी यात्रा कर सकती हैं। इन गाड़ियों में बकायदा स्टीकर भी लगाए गए हैं। पहले चरण में 25 वाहन ही इसके लिए लिए गए हैं अगर प्रयोग सफल रहता है और अधिक गाड़ियों की आवश्यकता महसूस हुई तो गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जा सकती है।

पाठको के लिए

मान्यवर पाठकगण

१. दैनिक इंडिया वार्ता समाचार पत्र हेतु अपने व्यक्तिगत या संस्थान की ओर से प्रकाशनार्थ लेख/समस्याएं व समाचार हमें भेजे व प्रति दिन नियमित रूप से समाचार पत्र प्राप्त करने को कार्यालय से सम्पर्क करे।

२. समाचार पत्र के बारे में आप के विचार व सुझाव आमंत्रित है।

३. नियमित पाठक बनने के लिए आपके द्वारा समाचार पत्र की सदस्यता ग्रहण करना प्रार्थनीय है।

४. व्यक्तिगत एवं व्यापारिक संस्थानो के तथा अन्य विज्ञापन आमंत्रित है।

सम्पादक

दैनिक इंडिया वार्ता

कार्यालय : मोहकमपुर खुर्द नियर आई आई पी हरिद्वार रोड देहरादून।

दूरभाष: 7500581414,9359555222

कद्दूखाल टिहरी में मां भगवती सुरकंडा देवी जागरण 4 जून को

नमस्कार देवभूमि सेवा संघ दिल्ली की ओर से किया जा रहा आयोजन

देहरादून,इंडिया वार्ता ब्यूरो। नमस्कार देवभूमि सेवा संघ दिल्ली की ओर से 4 जून को कद्दूखाल टिहरी गढ़वाल में मां भगवती सुरकंडा देवी जागरण एवं भंडारे का आयोजन किया जाएगा। नमस्कार देवभूमि सेवा संघ के महासचिव परिपूर्णानंद गैरोला ने बताया कि संघ की ओर से हर वर्ष गंगा दशहरे के पावन पर्व पर सिद्ध शक्तिपीठ मां सुरकंडा देवी के श्रीचरणों में कद्दूखाल में हर वर्ष मां भगवती जागरण का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष यह आयोजन 4 व 5 जून को किया जा रहा है। श्री गैरोला ने बताया कि 4 जून को सायं 7 बजे भंडारे का आयोजन होगा व रात्रि 8 बजे ज्योति प्रज्वलित की जाएगी, उसके पश्चात रात्रि जागरण होगा। 5 जून को प्रातः 5 बजे प्रसाद वितरण होगा। यह आयोजन पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस ग्राउंड कद्दूखाल में होगा। उन्होंने बताया कि मुकेश कठैत एंड पार्टी द्वारा महामाई का गुणगान किया जाएगा।